



पाठ 5: साम्राज्यों का उदय

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. साम्राज्य की विशेषताएँ क्या हैं और यह राज्य से किस प्रकार भिन्न है? इसकी व्याख्या कीजिए।

उत्तर: साम्राज्य की विशेषताएँ निम्न हैं -

1. अनेक राज्यों और राजाओं पर एक सम्राट का नियंत्रण होता है।
2. शासन चलाने के लिए अधिकारियों और प्रशासन की व्यवस्था होती है।
3. कानून, मुद्रा, माप-तौल और व्यापार का नियमन किया जाता है।
4. खनिज, वन, कृषि और जनशक्ति जैसे संसाधनों का नियंत्रण किया जाता है।
5. कला, साहित्य, धर्म और शिक्षा को संरक्षण दिया जाता है।
6. साम्राज्य की रक्षा और विस्तार के लिए सेना रखी जाती है।

राज्य और साम्राज्य में अंतर

राज्य	साम्राज्य
एक छोटे क्षेत्र पर शासन करता है।	कई राज्यों और बड़े क्षेत्रों पर शासन करता है।
एक राजा या शासक होता है।	एक सम्राट के अधीन कई राजा हो सकते हैं।
प्रशासन अपेक्षाकृत सरल होता है।	प्रशासन अधिक विस्तृत और संगठित होता है।
संसाधन और शक्ति सीमित होती है।	संसाधन और शक्ति अधिक होती है।

निष्कर्ष

साम्राज्य कई राज्यों का बड़ा राजनीतिक संगठन होता है, जबकि राज्य अपेक्षाकृत छोटा और सीमित क्षेत्र वाला होता है।

प्रश्न 2. राज्यों से साम्राज्यों में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण कारक क्या हैं?

उत्तर:

- शक्तिशाली और कुशल शासकों का नेतृत्व।
- मजबूत सेना का निर्माण।
- कृषि और व्यापार का विकास।
- कर संग्रह की प्रभावी व्यवस्था।
- नए क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करना।
- बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था।

प्रश्न 3. एलेक्जेंडर को विश्व इतिहास में एक महान शासक माना जाता है, आपके विचार से ऐसा क्यों है?

उत्तर:

- एलेक्जेंडर एक महान विजेता और सेनानायक था।
- उसने कम आयु में विशाल साम्राज्य स्थापित किया।
- उसकी विजय यूनान से लेकर भारत तक फैली हुई थी।
- उसने विभिन्न संस्कृतियों के बीच संपर्क बढ़ाया।
- उसकी सैन्य रणनीतियाँ आज भी अध्ययन का विषय हैं।

प्रश्न 4. प्रारंभिक भारतीय इतिहास में मौर्य वंश को महत्वपूर्ण माना जाता है। कारण बताएँ।

उत्तर:

- मौर्य वंश ने भारत का पहला विशाल साम्राज्य स्थापित किया।
- चंद्रगुप्त मौर्य ने एक शक्तिशाली शासन की स्थापना की।
- कौटिल्य जैसे विद्वान ने प्रशासन को मजबूत बनाया।
- अशोक ने शांति, अहिंसा और धम्म का प्रचार किया।
- मौर्य काल में व्यापार, कला और प्रशासन का विकास हुआ।

प्रश्न 5. कौटिल्य के कुछ प्रमुख विचार क्या थे? इनमें से कौन-से विचार आप आज भी आस-पास देख सकते हैं?

उत्तर:

कौटिल्य के प्रमुख विचार:

- राज्य का मुख्य उद्देश्य प्रजा का कल्याण होना चाहिए।
- मजबूत प्रशासन और सेना आवश्यक हैं।
- कर व्यवस्था सुव्यवस्थित होनी चाहिए।
- कानून और व्यवस्था बनाए रखना राज्य का कर्तव्य है।

आज भी दिखाई देने वाले विचार:

- कर संग्रह की व्यवस्था।
- प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सेना।
- जनकल्याणकारी योजनाएँ।

प्रश्न 6. अशोक और उसके साम्राज्य के बारे में असाधारण बातें क्या थीं? उनमें से कौन-सी बातें आज भी भारत को प्रभावित करती रही हैं और क्यों? अपने विचार लगभग 250 शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

अशोक मौर्य वंश का एक महान शासक था। कलिंग युद्ध के बाद उसने हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और अहिंसा का मार्ग अपनाया। यह उसके जीवन की सबसे असाधारण घटना थी। उसने अपने साम्राज्य में धम्म का प्रचार किया, जिसका उद्देश्य लोगों में नैतिकता, सहिष्णुता और सद्भावना बढ़ाना था।

अशोक ने सड़कों, कुओं, विश्राम गृहों और चिकित्सा सुविधाओं का निर्माण करवाया। उसने अपने विचारों को शिलालेखों और स्तंभों पर खुदवाया ताकि जनता तक उसके संदेश पहुँच सकें। उसने सभी धर्मों का सम्मान किया और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा दिया।

आज भी अशोक के कई विचार भारत को प्रभावित करते हैं। भारत का राष्ट्रीय चिह्न सारनाथ का अशोक स्तंभ है और राष्ट्रीय ध्वज में अशोक चक्र अंकित है। धार्मिक सहिष्णुता, शांति और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना भारतीय संविधान और लोकतंत्र के महत्वपूर्ण मूल्य हैं।

अशोक का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति का सर्वोत्तम उपयोग लोगों के कल्याण और समाज में शांति स्थापित करने के लिए होना चाहिए। यही कारण है कि अशोक आज भी भारतीय इतिहास के सबसे महान शासकों में गिना जाता है।

प्रश्न 7. अशोक के उपरोक्त शिलालेख को पढ़ने के उपरांत, क्या आपको लगता है कि वे अन्य धार्मिक विश्वासों और विचारधाराओं के प्रति सहिष्णु थे? अपने विचार कक्षा में साझा कीजिए।

उत्तर: हाँ, मुझे लगता है कि अशोक अन्य धार्मिक विश्वासों और विचारधाराओं के प्रति सहिष्णु थे।

कारण:

- उन्होंने बौद्ध, ब्राह्मण, जैन और आजीवक जैसे विभिन्न संप्रदायों का सम्मान किया।
- उन्होंने सभी धर्मों के कल्याण के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की।
- उन्होंने धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान को बढ़ावा दिया।
- उनके शिलालेख धार्मिक सहिष्णुता का स्पष्ट प्रमाण हैं।

प्रश्न 8. ब्राह्मी लिपि एक लेखन प्रणाली थी जिसका प्राचीन भारत में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। इस लिपि के बारे में अधिक जानने का प्रयास कीजिए। एक लघु कार्य परियोजना बनाएँ और इस दौरान आपने ब्राह्मी लिपि के बारे में जो कुछ भी सीखा, उसे संलग्न कीजिए।

उत्तर:

लघु परियोजना : ब्राह्मी लिपि

परिचय:

- ब्राह्मी भारत की सबसे प्राचीन लिपियों में से एक थी।
- इसका उपयोग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से किया जाता था।

विशेषताएँ:

- अशोक के अधिकांश शिलालेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- इसे बाएँ से दाएँ लिखा जाता था।
- आधुनिक देवनागरी सहित कई भारतीय लिपियों का विकास ब्राह्मी से हुआ।

महत्व:

- प्राचीन भारतीय इतिहास को समझने में सहायता मिलती है।
- शिलालेखों और अभिलेखों को पढ़ने में उपयोगी है।

निष्कर्ष:

- ब्राह्मी लिपि भारतीय सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण भाग है।

प्रश्न 9. मान लीजिए कि आपको तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में कौशांबी से कावेरीपट्टनम की यात्रा करनी है। आप यह यात्रा कैसे करेंगे? इस यात्रा के दौरान आप कहाँ-कहाँ ठहरेंगे और आपको इसमें कितना समय लगेगा?

उत्तर:

- मैं मुख्यतः स्थल मार्ग और नदी मार्ग का उपयोग करूँगा।
- बैलगाड़ी, घोड़े या पैदल यात्रा करूँगा।
- यात्रा के दौरान प्रमुख नगरों और व्यापारिक केंद्रों में ठहरूँगा।
- संभावित पड़ाव: विदिशा, उज्जैन, प्रतिष्ठान और दक्षिण भारत के अन्य नगर।
- रास्ते में विश्राम गृहों और व्यापारिक केंद्रों का उपयोग करूँगा।
- उस समय परिवहन के साधन सीमित थे, इसलिए यात्रा में लगभग एक से दो महीने का समय लग सकता था।

To get notes visit our website

mukutclasses.in